Syllabus and Course Scheme
Academic year 2014-15

BA – Sanskrit
Exam.-2015

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

द्वितीय प्रश्न पत्र –वैदिक साहित्य, गद्यसाहित्य
अनुवाद एवं व्याकरण

समय: 3 घण्टे पूर्णक 100 अंक

नोट:– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

''पाठ्यक्रम''

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त)
2. वैदिक साहित्य (ईशावास्योपनिषद्)
3. गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. अनुवाद एवं कारक प्रकरण
5. व्याकरण

अंक विभाजन

1. वैदिक साहित्य **30 अंक**

अ) **ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त**

1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3.विष्णु (1.154)
4. इन्द्र (2.12) 5. विश्वेदेवा (8.58) 6. प्रजापति(10.121) 7. संज्ञान (10.191)

1. ऋग्वेद के दो मन्त्रों का अनुवाद 10 अंक
2. ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार 10 अंक

ब) **ईशावास्योपनिषद्** 10 अंक

दो मन्त्रों की व्याख्या

2. गद्य साहित्य

शुकनासोपदेश **30 अंक**

अ. दो गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद – 20 अंक

ब. शुकनासोपदेश के निर्धारित अंश से सामान्य प्रश्न 10 अंक

3. अनुवाद **10 अंक**

अपठित संस्कृत के दस वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद

4. व्याकरण **30 अंक**

अ) **लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)**

1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. चतुर् (तीनों लिंगो में)
4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. मघवन् 7. पञ्चन्
8. अष्टन् 9. युष्मद् 10. अस्मद् 11. उपानह् 12. विद्वस्

1. चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 5 अंक
2. सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक पाँच पदों की रूप सिद्धि 10 अंक

ब) **कारक प्रकरण में निम्नलिखित सूत्र पठनीय हैं-**

1. प्रातिपदिकार्थलिङ्.गपरिमाणवचन मात्रे प्रथमा
2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म
3. कर्मणि द्वितीया
4. अकथितं च
5. अधिशीङ्.स्थाऽऽसां कर्म
6. उपान्वध्याङ्.वसः
7. अभितः परितः समया-निकषा हा प्रतियोगेऽपि द्वितीया
8. अन्तरान्तरेण युक्ते
9. कालोध्वनोरत्यन्तसंयोगे
10. साधकतमं करणम्
11. कर्तृकरणयोस्तृतीया
12. अपवर्गे तृतीया
13. सहयुक्तेऽप्रधाने
14. येनाङ्.गविकारः
15. इत्थंभूतलक्षणे
16. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्
17. चतुर्थी सम्प्रदाने
18. रूच्यर्थानां प्रीयमाणः
19. धारेरूत्तमर्णः
20. क्रुध्द्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः
21. नमः स्वास्ति -स्वाहा- स्वाधाऽलंवषड्- योगाच्च चतुर्थी
22. ध्रुवमपायेऽपादानम्
23. अपादाने पञ्चमी
24. जुगुप्सा-विराम- प्रमादार्थानामुपसंख्यानम्
25. भीत्रार्थानां भयहेतुः
26. वारणार्थानामीप्सितः
27. आख्यातोपयोगे
28. भुवः प्रभवःश्च
29. पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्
30. दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च
31. षष्ठी शेषे
32 षष्ठी हेतुप्रयोगे
33. चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्रभद्रकुशलसुखार्थहितै
34. आधारोऽधिकरणम्
35 सप्तम्यधिकरणे च
36. यस्य च भावेन भावलक्षणम्

37. यतश्चनिर्धारणम्
38. पंचमी विभक्तेः
39. साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्यप्रतेः

क) तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 9 अंक

ख) वाक्यों में रेखाकिंत तीन पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन 6 अंक

सहायक पुस्तके –

1. वेदचयनम्– पं. विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स – एस के तेलतन व बी.बी. चौबे
3. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
4. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
5. वैदिक सूक्त मुक्तावली –डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
6. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
7. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
8. ईशावास्योपनिषद् – तारिणीश झा
9. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. सुभाष वेदालङ्कार एवं श्री शास्त्री
10. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. रामपाल शास्त्री (सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्या)
11. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
12. संस्कृत में अनुवाद कैसे करे – उमाकान्त मिश्र
13. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
14. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
15. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री
16. सिद्धान्त कौमुदी कारण प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
17 सिद्धान्त कौमुदी कारण प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी